17 क्रिया तथा क्रिया के भेद

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- क्रिया शब्दों को पहचानना।
- क्रिया के भेद जानना।
- क्रिया शब्दों के प्रयोग को समझना।

सहायक सामग्री

- पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, QR Code, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- आप विद्यालय में क्या-क्या करते हैं?
- माता जी रसोईघर में क्या करती हैं?
- विद्यार्थी अभ्यास-पुस्तिका में क्या करते हैं?
- बच्चे पार्क में क्या करते हैं?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा बनाना।
- QR Code स्कैन करके वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - काम करने का बोध करवाने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।
  - क्रिया के भेद दो आधारों पर किए जाते हैं– कर्म की अपेक्षा/अनपेक्षा के आधार पर तथा रचना के आधार पर।
  - कर्म की अपेक्षा/अनपेक्षा के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं–अकर्मक तथा सकर्मक।
  - जो क्रिया कर्म के साथ हो–सकर्मक क्रिया तथा जो क्रिया कर्म के बिना हो–अकर्मक क्रिया कहलाती है।
  - रचना के आधार पर क्रिया के प्रमुख भेद हैं– सरल, संयुक्त, प्रेरणार्थक तथा नामिक।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।
- अपने अच्छे कामों की सूची बनाने और क्रिया शब्द रेखांकित करने के निर्देश।

17.1 काल

पाठ-योजना

- काल को समझना।
- काल के भेदों को समझना।

सहायक सामग्री

- पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड, ब्लैकबोर्ड, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- कल रात को आप कितने बजे सोए थे?
- अभी हम किस विषय के बारे में पढ़ रहे हैं?
- रविवार कितने दिन/दिनों के बाद आएगा?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा बनाना।
- QR Code स्कैन करके वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - क्रिया के समय का बोध 'काल' कहलाता है।
  - काल के तीन भेद हैं–(क) भूत काल (ख) वर्तमान काल तथा (ग) भविष्यत काल।
  - है–वर्तमान काल, था/थी/थे–भूत काल व गा/गी/गे–भविष्यत काल की क्रियाएँ हैं।
  - क्रिया अपना रूप बदलती है–देखा, देखते हैं, देखते थे, देखेंगे।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।
- तीनों कालों के वाक्यों पर आधारित काल्पनिक बातचीत लिखने के निर्देश।
- 'हमें जो करना है, आज ही करें; कल पर कोई काम न छोड़ें'– इस भाव को दर्शाती कविता ढूँढ़कर कक्षा में सुनाने के निर्देश।

17.2 पक्ष

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- पक्ष के विषय में बताना।
- पक्ष के विभिन्न प्रकार समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- 'पक्ष' शब्द से आप क्या समझते हैं?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की अवधारणा स्पष्ट करना।
- QR Code स्कैन करके वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - क्रिया कैसे घटित हुई इस बात की सूचना क्रिया-पदबंध में लगने वाले प्रत्ययों से मिलती है, वे पक्ष सूचक प्रत्यय कहलाते हैं।
  - क्रिया पदबंधों में मुख्य रूप से तीन प्रकार के पक्ष दिखाई देते हैं–
    (*i*) आवृत्तिमूलक, (*ii*) सातत्यबोधक तथा (*iii*) पूर्ण।
  - ये पक्ष वर्तमान तथा भूत काल में पाए जाते हैं।
  - आवृत्तिमूलक पक्ष की सूचना क्रिया पदबंध में लगे 'त्' प्रत्यय से मिलती है।
  - सातत्यबोधक पक्ष को बताने वाला प्रत्यय है–'रह्'
  - पूर्ण पक्ष के लिए हिंदी में कोई प्रत्यय नहीं लगता।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।

17.3 वृत्ति

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- हिंदी की प्रमुख वृत्तियों के बारे में जानना।
- वृत्ति की सूचना देने वाले प्रत्ययों की पहचान करनाा।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- प्रत्यय किसे कहते हैं?
- वृत्ति शब्द से आप क्या समझते हैं?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा स्पष्ट करना।
- QR Code स्कैन करके वीडियो दिखाना।
- बताना–
    - जिन वाक्यों में क्रिया घटित नहीं होती, उनमें वक्ता की वृत्ति का पता चलता है।
    - वृत्ति के प्रत्यय उन्हीं क्रिया पदबंधों में लगते हैं, जहाँ क्रिया प्रारंभ नहीं होती।
    - हिंदी में प्रमुख वृत्तियाँ हैं– आज्ञार्थक, सामर्थ्यसूचक, संभावनार्थक, बाध्यतासूचक, इच्छार्थक तथा संकेतार्थक।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।

17.4 वाच्य

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- वाच्य के विषय में बताना।
- वाच्य के भेदों का ज्ञान कराना।
- वाच्य-परिवर्तन सिखाना।

सहायक सामग्री

- पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, QR Code, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- कर्ता किसे कहते हैं?
- मज़दूर पेड़ काट रहा है। मज़दूरों के द्वारा पेड़ काटा जा रहा है।
  अब इन वाक्यों को आप कैसे बोलेंगे– बच्चा दौड़ रहा है। नेता जी भाषण दे रहे हैं। पिता जी नाश्ता कर रहे हैं।
- इस प्रकार के अन्य वाक्य भी पूछे जा सकते हैं।

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - वाच्य का अर्थ वाणी या कथन होता है।
  - वाच्य के दो भेद होते हैं– कर्तृवाच्य तथा अकर्तृवाच्य।
  - अकर्तृवाच्य के दो उपभेद हैं– कर्मवाच्य तथा भाववाच्य।
  - अकर्तृवाच्य के वाक्य में सकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है तो वह 'कर्मवाच्य' का वाक्य होगा और यदि अकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है तो वह 'भाववाच्य' का।
  - क्रिया के बदलने का वाच्य से कोई संबंध नहीं है, बल्कि प्रयोग से है।
  - हिंदी के वाक्यों में तीन प्रयोग हो सकते हैं– कर्तरि, कर्मणि तथा भावे।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।